Geological survey of Himachal Pradesh

6206. SHRI DURGA CHAND: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) the results of the Geological survey conducted in Himachal Pradesh in respect of Mica, Copper, Silver, Gold, Iron and Coal or any other mineral available in Himachal Pradesh by 30th December, 1976; and

(b) the steps which Government contemplate to take in exploration of the mineral wealth in the light of the reports of the Geological Department?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI BIJU PATNAIK): (a) The important minerals investigated and found in Himachal Pradesh include Limestone (385.54 M.T.); Gypsum (1.322 M.T.), Barytes (0.011 M.T.) and Antimony (0.0033 M.T.).

No coal seems have been reported and only minor occurrences of Mica, Copper, Silver, Iron-ore and Gold have been located at places.

(b) During the field season of 1976-77 besides systematic geological mapping, GSI has carried out investigations for limestone, clay and state in the State and these investigations are being continued in 1977-78 field season also. Regional investigation for Antimony, Lead and Zinc mineralisation are also proposed to be taken up in the 1977-78 field season.

Linking of Tikamgarh with Chhattarpur by Telephone

6207. SHRI LAXMINARAYAN NAYAK: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state whether Tikamgarh is not linked directly with Chhattarpur by telegraph and telephone and whether direct telegraph and telephone link would soon be provided there?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI BRIJ LAL VERMA): Yes, Sir. The present traffic does not justify a direct telephone and telegraph circuit between Tikamgarh and Chhattarpur. Trunk calls are routed *via* Jhansi. The Telegraph traffic is routed *via* Bhopal and Jabalpur.

राष्ट्रीय श्रम संस्थान के वार्षिक प्रतिवेदन में लेखों का प्रकाशित किया जाना

6208. **श्री भानु कुमार शास्त्री**: क्या **संसदीय कार्य तथा श्रम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या उनका ध्यान राष्ट्री श्रम संस्थान के वर्ष 1976–77 के प्रतिवेदन की ओर दिलाया गया है जिसमें केवल श्री नीतिश डे के लेखों और प्रकाशनों की सूची मात्र प्रकाशित की गई है ; और

(ख) इस प्रतितवेदन के अन्य संकायों के लेख व प्रकाशनों को स्थान न दिये जाने के क्या कारण हैं ?

संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री (श्री रवीन्द्र वर्मा) : (क) वर्ष 1976–77 के संबंध में राष्ट्रीय श्रम संस्थान का वार्षिक प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा है । तथापि, उक्त वर्ष के संबंध में कार्यकलापों की रिपोर्ट में राष्ट्रीय श्रम संस्थान द्वारा विभिन्न संकाय सदस्यों के माध्यम से किए गए कार्य का उल्लेख किया गया है और इस रिपोर्ट में प्रोफेसर नीतिश आर० डे के अतिरिक्त निम्नलिखित संकाय सदस्यों के नाम भी दिए गए हैं :—

1. श्री अरविंद एन० दास
2. श्री एस० सी० गक्खर
3. श्री पी० एस० दुबे
4. श्री एस० जी० हशमी
5. डा० के० गोपाल अय्यर
6. श्री आर० एन० महाराज ।

7 श्री बी० नीलकान्त

8 श्री अनीसुर रहमान

9 श्रीमती बी० रुकमनी राव

10 डा० बी० के० रावासनव

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

राष्ट्रीय श्रम सस्थान में कर्मचारियो का सेवा मे बहाल किया जाना

6209 **श्री भानु कुमार शास्त्री** क्या ससदीय कार्य तथा श्रम मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या आपात स्थिति के दौरान राष्ट्रीय श्रम सस्थान के डीन ने कुछ कर्मचारियो का बिना किसी कारण नौकरी से हटा दिया था और

(ख) यदि हा तो क्या सरकार का विचार इस सम्बन्ध मे कोई कार्यवाही करने का है और क्या उन कर्मचारियो का सेवा मे बहाल किया जायेगा ?

ससदीय कार्य तथा श्रम मत्री (श्री रवीन्द्र वर्मा) (क) आपातकाल के दौरान इस सस्थान के किसी भी कर्मचारी का नौकरी से नहीं हटाया गया ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

सेकरीन का उपयोग

6210 **श्री युगल किशोर प्रसाद वर्मा** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) देश मे उन अनुसधान सस्थाना के नाम क्या है जहा सेकरीन के विभिन्न पदार्थों के बारे मे यह पता लगाने के उद्देश्य से अनुसधान किया जा रहा है कि क्या चीनी के विकल्प के रूप मे थोडी मात्रा मे सेकरीन का दैनिक उपयोग और शरबत, चाय, काफी आदि मे उसका वर्षों तक उपयोग मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं है ,

(ख) यदि हा, तो दैनिक प्रयोग के लिए इसकी कम से कम कितनी मात्रा हानिकारक नहीं है ,

(ग) उसकी दैनिक खुराक की मात्रा बढाये जाने से लोगो के किस-किस बीमारी के शिकार होने की सम्भावना रहती है ,

(घ) क्या सरकार ने शरबत आदि मे उपयोग हेतु सेकरीन की अधिकतम मात्रा के बारे मे कोई आदेश जारी किये है , और

(ङ) यदि हा, तो उसका क्या ब्यौरा है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मत्री (श्री राज नारायण) (क) अन्तर्राष्ट्रीय सस्थाना के साथ मिल-जुल कर कैसर, सस्थान बम्बई, केन्द्रीय औषधि अनुसधान सस्थान लखनऊ और राष्ट्रीय पोषण सस्थान, हैदराबाद ने प्रयोगात्मक-पशुओ पर अध्ययन किये है ।

(ख) दैनिक प्रयोग के लिए इसकी कम से कम कितनी मात्रा हानिकारक नहीं होती है इसके बारे मे कोई सूचना उपलब्ध नहीं है ।

(ग) इस सबध मे कनाडा मे चूहो पर जो अध्ययन किये गये है उनसे पता चलता है कि सेकरीन से उनमे कैसर होने का खतरा रहता है । ऐसा समझा जाता है कि सेकरीन से मनुष्या के मूत्राशय मे कैसर हो सकता है ।

(घ) और (ङ) कार्बोनिटेड पानी को छोड कर, अन्य सभी खाद्य पदार्थों मे सेकरीन के उपयोग पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया है । वैसे, कार्बोनिटेड पानी मे इसके उपयोग पर पाबन्दी लगाने के सबध मे भी कदम उठाये जा रहे है ।